RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 125
दि. 04.09.2025,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

संक्षिप्त समाचार

जीएसटी में बदलावों पर पीएम मोदी की पहली प्रतिक्रिया, वित्त मंत्रालय की सराहना की

जीएसटी दरों में बदलाव पर प्रतिक्रिया देते हुए पीएम मोदी ने नई जीएसटी दरों को लेकर हुए फैसलों को लेकर वित्त मंत्रालय की सराहना की है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण के दौरान मैंने जीएसटी में अगली पीढ़ी के सुधार लाने के हमारे इरादे के बारे में बात की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य जीएसटी में अगली पीढ़ी के सुधार लाना है।

'जीएसटी रिफॉर्म का ट्रंप के टैरिफ से कोई लेना-देना नहीं...', वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने किया साफ

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, 56वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्पष्ट किया कि हालिया जीएसटी सुधारों का टैरिफ विवाद से कोई संबंध नहीं है. उन्होंने कहा, 'टैरिफ टर्मोइल वह मुद्दा नहीं है जिसने जीएसटी सुधार को प्रभावित किया. हम इस पर डेढ़ साल से काम कर रहे हैं.'

वित्त मंत्री ने कहा कि लंबे समय मंत्रियों का एक समूह बीमा वगैरह के दरों पर काम कर रहा था. इनमें से किसी का भी टैरिफ से कोई लेना-देना नहीं है.

जीएसटी राजस्व में कथित नुकसान के सवाल पर वित्त मंत्री ने कहा, 'अलग-अलग आंकड़े उछाले जा रहे हैं- इतना नुकसान, उतना नुकसान. मैं इस बहस में शामिल नहीं होऊंगी कि किसी ने इतना कहा, किसी ने उतना कहा. हमारे पास अपना डेटा है.'

जीएसटी काउंसिल की मीटिंग में कई फैसले

56वीं जीएसटी काउंसिल मीटिंग में Next-Gen GST रिफॉर्म्स को लेकर कई अहम फैसले लिए गए हैं, जिनमें दरों में कटौती, प्रोसेस सुधार और उच्च श्रेणी के उत्पादों को 40% स्लैब में रखने का निर्णय शामिल है.

रोजमर्रा की जरूरी चीजें होंगी सस्ती

बता दें कि केंद्र सरकार ने दिवाली से पहले ॠळ रिफॉर्म का ऐलान किया है, जिसके तहत कई रोजमर्रा की जरूरी चीजें सस्ती हो गई हैं. अब हेयर ऑयल, शैम्पू, टूथपेस्ट, टॉयलेट सोप, टूथ ब्रश और शेविंग क्रीम पर जीएसटी 18% से घटकर 5% हो गया है. इसी तरह बटर, घी, चीज, डेयरी स्प्रेड, पैक्ड नमकीन, भुजिया, बर्तन, बच्चों के फीडिंग बोतल और नैपकिन, क्लिनिकल डायपर और सिलाई मशीन पर भी टैक्स 12% से घटाकर 5% कर दिया गया है.

दो टैक्स स्लैब खत्म करने की मंजूरी

वित्त मंत्री ने कहा कि ॠळ काउंसिल ने जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने की मंजूरी दे दी है. काउंसिल ने 12% और 28% के टैक्स स्लैब को खत्म करने की मंजूरी दे दी है.

केंद्र सरकार ने जीएसटी रेट में बदलाव के तहत कुछ चुनिंदा आइटम्स पर 40% टैक्स लागू करने का फैसला किया है. इसमें सुपर लग्जरी गुड्स, पान मसाला, सिगरेट, गुटखा, चबाने वाला तंबाकू, जर्दा, एडेड शुगर वाले कार्बोनेटेड ड्रिंक्स और पर्सनल यूज वाले एयरक्राफ्ट शामिल हैं.

अयोध्याः रामनगरी पहुंचे सीएम योगी, किए रामलला के दर्शन; हनुमानगढ़ी के दर्शन कर लिया आशीर्वाद

लखनऊ (जीएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को एक दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पहले संकट मोचन हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन किया और प्रदेश की सुख-शांति की कामना की। इसके बाद सीएम योगी ने श्रीरामलला के दरबार में हाजिरी लगाई, आरती की और सीएम ने दर्शन-पूजन के उपरांत निकलते समय आमजन का अभिवादन भी स्वीकार किया। वहीं मंदिर परिसर की परिक्रमा कर राम मंदिर निर्माण की प्रगति का जायजा लिया और राम दरबार में भी दर्शन पूजन किये।

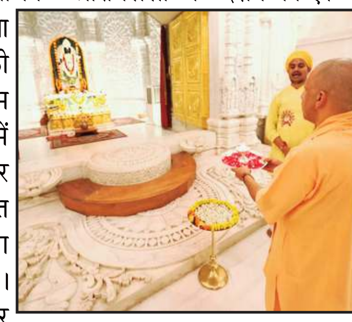

मुख्यमंत्री ने अपने दौरे की शुरूआत संकट मोचन हनुमानगढ़ी मंदिर से की। उन्होंने यहां विधिवत पूजा-अर्चना करते हुए प्रदेशवासियों के सुखमय जीवन की प्रार्थना की। यहां से निकल कर मुख्यमंत्री ने श्रीरामलला के दर्शन किए। उन्होंने श्रीरामलला की आरती उतारी और मंदिर की परिक्रमा की इसके साथ ही उन्होंने राम दरबार में भी दर्शन पूजन किये। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर निर्माण की प्रगति की जानकारी भी ली। राम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने उन्हें निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति और आगामी योजनाओं से अवगत कराया।

राज सदन में मुख्यमंत्री ने बिमलेंद्र मोहन को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ उनके पुत्र और प्रख्यात साहित्यकार और कवि यतींद्र मोहन मिश्र से मुलाकात कर उनको दुख की इस घड़ी में ढांढस बंधाया। साथ ही बिमलेंद्र मोहन के अनुज और साकेत महाविद्यालय की प्रबंध समिति के संरक्षक शैलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र समेत परिवार के अन्य सदस्यों से मुलाकात की। इस दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। मुख्यमंत्री योगी के दौरे को देखते हुए अयोध्या एयरपोर्ट से लेकर अयोध्या धाम तक सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट रहीं।

भव्यता से सम्पन्न हुआ श्री महावीर जी झंडा मेला

(जीएनएस)।

नगर संडीला का ऐतिहासिक श्री महावीर जी झंडा मेला जो भाद्रपद मास के अंतिम मंगलवार को होता है जो की समूचे उत्तर प्रदेश समेत अन्य प्रदेशों में अपना नाम और भव्यता के लिए प्रसिद्ध हो चुका है । जिसकी भव्यता पूरे जिले सहित पूरे समूचे प्रदेश में अपना नाम और भव्यता से जाना जाने लगा। इस वर्ष यह झंडा मेला एक सितम्बर से शुरू होकर चार सितम्बर तक होना है, जिसमे दो सितम्बर को भव्य श्री महावीर जी का झंडा मेला यज्ञ और पूरे अनुष्ठान के साथ निकट शीतला मंदिर स्थित महावीरन प्रांगण से दोपहर लगभग एक बजे यह झंडा शोभायात्रा के साथ संडीला मुख्य मार्ग होते हुए इमलियाबाग पहुंचा जहां आस पास के गांवों के झंडे इकट्ठा होकर एवं आकर्षक झांकियों के साथ पुनः मुख्य मार्ग संडीला से होते हुए बस अड्डा पहुंचा, जहां पूजा अर्चना के बाद सभी झंडे महावीरन पहुंच कर इति हुए। इस मौके पर संडीला में काफी जगह पर भंडारे इत्यादि का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने अपनी पूरी रूचि दिखाई । नगर के मुख्य मार्ग पर जगह जगह लोगों ने झंडे का भव्य स्वागत भी किया।

मनमोहक झांकियां रही आकर्षण का केंद्र

श्री महावीर जी झंडे मेले की शोभा यात्रा के दौरान छोटे छोटे बच्चों की सुंदर सुंदर झांकियो ने लोंगो का मन मोह लिया,और लोंगो के बीच आकर्षण का केंद्र रहीं इसी के साथ साथ शिव पार्वती और राधा कृष्ण का संयुग्म नृत्य ने और कला बाजो की कलाकारी कौतहूल बनी रही

पुलिस एवं प्रशासन का मेले को शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने में रहा खास योगदान

जिलाधिकारी अनुनय झा सहित तेज तर्रार पुलिस अधीक्षक नीरज जादौन एवं एडीएम प्रफुल्ल त्रिपाठी व अपरपुलिस अधीक्षक नृपेंदे कुमार,सीओ संतोष कुमार सिंह, कोतवाल विद्यासागर पाल सहित उपजिलाधिकारी संडीला नारायणी भाटिया, तहसीलदार, ईओ नगरपालिका कस्बा चौकी प्रभारी रविकेश सिंह, बस अड्डा चौकी प्रभारी के के यादब संडीला सहित झंडा मेला में बारह थानों की फोर्स, बारह थाना प्रभारी,पच्चास सब इंस्पेक्टर, चालीस महिला कांस्टेबल, सौ होमगार्ड, दो सौ सिपाही, दो प्लाटून पीएसी बल, फायर ब्रिगेड की टीम ने मेला को भव्यता से सकुशल सम्पन्न कराया।

एसपी नीरज जादौन निरीक्षण करते हुए

ऐतिहासिक है झंडा मेला का इतिहास, पूर्वजों ने ढेरों यातनाएं सहकर इस उत्सव का दिया अवसर

जिस श्री महावीर जी झंडा मेला स्थानीय स्तर पर एक उत्सव के रूप में हर वर्ष बढ़त के साथ अपनी भव्यता बना रहा,हमारे पूर्वजों का खास समर्पण रहा है, लगभग एक सौ साठ वर्ष पूर्व अंग्रेजी शासन द्वारा झंडा निकालने वालों पर दर्जनों कोड़े मारे जाने की सजा का फरमान सुनाया, जिसके विरोध में तभी संडीला नगर सहित आस पास गांवों के लोगों द्वारा भी लगभग हर घर से श्री महावीर जी का झंडा लेकर लोग सड़को पर उतर आए, जिसके बाद उन सभी को अग्रेजों द्वारा ढेर यातनाएं दी गई लेकिन यह सिलसिला हर वर्ष जारी रहा, लेकिन उस दिन से लेकर आज तक यही यातनाएं अब उत्सव का प्रतीक बनकर झंडे मेले के ऐतिहासिक पलो का एहसास कराती है।

बारिश भी नहीं रोक पाई श्री महावीर जी झण्डे मेले की भव्यता

मंगलवार को दोपहर के समय अचानक से शुरू हुई झमाझम बारिश ने सभी के चेहरों पर मायूसी ला दी कि बारिश मेले में आने वाली भीड़ को कम कर देगी और मेला फीका सा जायेगा। लेकिन इसके उल्ट बारिश थमते ही श्रद्धालुओं का मानो काफिला अचानक से दिखाई देने लगा। वहीं नगर पालिका परिषद की नाकामयाबी ने भी नाक कटवाने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी, जरा सी देर की बारिश से गलियों सहित नगर पालिका परिषद कार्यालय के निकट, गल्ला मंडी परिसर, गुदड़ी महत्वाना जल भराव के कारण लोगों का पैदल चलना दूभर हो गया।

पटरी दुकानदारों को भी अपना सामान समेट कर बचाते हुए हटना पड़ा खैर इन सबके बाद भी श्री महावीर जी झंडा मेला कमेटी, पुलिस प्रशासन, राजस्व कर्मी, स्वास्थ्य विभाग के अथक प्रयासों से भव्यता से संपन्न होना स्वयं में ही एक बड़ी उपलब्धि के रूप में है। जहां हजारों की भीड़ के बाद भी कोई भी मामला प्रकाश में नहीं आया। ग्रापए संगठन के तहसील अध्यक्ष मुकेश सिंह सोमवंशी के नेतृत्व में पत्रकारों ने भी अपना बखूब योगदान दिया।

मुस्लिम समुदाय के लोंगो ने शोभा यात्रा का किया भव्य स्वागत

ऐतिहासिक श्री महावीर जी झंडा मेला में इससे पूर्व भी मुस्लिम समुदाय के लोंगो का काफी योगदान और सहयोग रहता था, हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मुस्लिम समुदाय के हसन मक्की ईदगाह कमेटी के महासचिव नौमान खान एवं अन्य मुस्लिम समाज के लोगों की ओर से झंडा मेला का जोरदार स्वागत किया गया। जिसमें मेला कमेटी के अध्यक्ष शैलेश अग्निहोत्री जी को फूल माला पहना कर आपसी सौहार्द की मिसाल कायम की और लोंगो के बीच एकता का संदेश दिया।।

थाना तरबगंज पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त को 240 ग्राम गांजा के साथ किया गया गिरफ्तार

गोंडा (जीएनएस)।

पुलिस अधीक्षक गोण्डा श्री विनीत जायसवाल द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी श्री राधेश्याम राय के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी तरबगंज श्री उमेश्वर प्रभात सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना तरबगंज पुलिस द्वारा देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान रगड़गंज चौराहे से 200 मी0 तरबगंज रोड के किनारे गुमटी से अभियुक्त आशीष कुमार तिवारी उर्फ आशु तिवारी पुत्र रामसेवक तिवारी निवासी ग्राम डेहरास थाना परसपुर जनपद गोण्डा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 240 ग्राम गांजा बरामद किया गया ।

घटना का संक्षिप्त विवरण-

दिनांक 02.09.2025 को थाना तरबगंज के उ0नि0 संजीव सिंह मय हमराह क्षेत्र भ्रमण व चेकिंग में रवाना थे । चेकिंग के दौरान सूचना प्रात हुई की रगड़गंज चौराहे से करीब 200 मीटर तरबगंज रोड पर सड़क की दाहिनी पट्टी पर स्थित एक गुमटी मे एक व्यक्ति अवैध गांजा बेच रहा है, उक्त सूचना पर पुलिस द्वारा अभियुक्त आशीष कुमार तिवारी उर्फ आशु तिवारी पुत्र रामसेवक तिवारी निवासी ग्राम डेहरास थाना परसपुर जनपद गोण्डा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 240 ग्राम गांजा बरामद किया गया । थाना स्थानीय पर गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर मु0अ0सं0 273/2025 धारा 8/20 ठउ्ढर अू३ का अभियोग पंजीकृत कर मा0 न्यायालय के समक्ष पेश कराकर अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

गिरफ्तार अभियुक्त-

01. आशीष कुमार तिवारी उर्फ आशु तिवारी पुत्र रामसेवक तिवारी निवासी ग्राम डेहरास थाना परसपुर जनपद गोण्डा।

लखनऊ में फर्जी आईएएस गिरफ्तार, 6 लग्जरी गाड़ियों के काफिले में चलता था, कई राज्यों में कर चुका है ठगी

(जीएनएस)।

लखनऊःराजधानी में पुलिस ने एक ऐसे फर्जी आईएएस अधिकारी को गिरफ्तार किया है, जो लग्जरी गाड़ियों के काफिले में चलता था और यूपी सरकार के कई विभागों का सचिव बताकर लोगों को ठगता था. आरोपी यूपी और अन्य राज्यों के कई सरकारी कार्यक्रमों में भी बतौर विशेष सचिव शामिल हो चुका है. पुलिस ने आरोपी के पास से कई फर्जी सरकारी पास और लग्जरी गाड़ियां बरामद की हैं,पुलिस पर रौब झाड़ने के चक्कर में खुली पोलःवजीरगंज थाने के प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि बुधवार को कारगिल शहीद पार्क के पास नियमित चेकिंग के दौरान सौरभ त्रिपाठी को पकड़ा गया. सौरभ ने पुलिस पर रौब झाड़ने की कोशिश की और खुद को एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी बताया. पुलिस को उसकी हरकतों पर शक हुआ और सख्ती से पूछताछ करने पर उसका फजीवाड़ा सामने आ गया. इंस्पेक्टर ने बताया कि सौरभ के पास से कई फर्जी दस्तावेज और पास बरामद किए हैं, जिनका इस्तेमाल वह सरकारी अधिकारी बनकर लोगों पर अपना प्रभाव जमाने के लिए करता था. इसके अलावा,उसके पास से फॉर्च्यूनर, डिफेंडर और इनोवा जैसी कुल 6 लग्जरी गाड़ियां भी मिली हैं, जिन पर सरकारी पास लगे थे।सोशल मीडिया पर भी फैला रखा था जालःइंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि जांच में पता चला है कि सौरभ सोशल मीडिया पर भी कई फर्जी प्रोफाइल बनाकर सक्रिय था।वह खुद को कभी 'कैबिनेट स्पेशल सेक्रेटरी, भारत सरकार'तो कभी 'सेक्रेटरी अर्बन-रूरल डेवलपमेंट यूपी' बताकर लोगों को गुमराह करता था।वह सरकारी कार्यक्रमों में बड़े अधिकारियों के साथ फोटो खिंचवाकर अपनी झूठी साख बनाता था.

गुजरात सरकार नई दिल्ली में आयोजित करेगी उच्च-स्तरीय परिचर्चा बैठक, पेश होंगी वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंसेज की झलकियाँ

● । शीर्ष उद्योगपतियों, राजनयिकों और भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से करेंगे संवाद, गुजरात के क्षेत्रीय विकास के नए अध्याय का करेंगे शुभारंभ

गांधीनगर, 03 सितंबर : गुजरात सरकार आगामी वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंसेस (VGRCs) के परिप्रेक्ष्य में 4 सितंबर 2025 को नई दिल्ली में एक परिचर्चा बैठक आयोजित करने जा रही है। ये रीजनल कॉन्फ्रेंसेस राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय हितधारकों को एक मंच पर लाकर गुजरात की नई पहलों व क्षेत्रीय क्षमताओं को प्रदर्शित करेंगी, जिनका उद्देश्य संतुलित और समग्र क्षेत्रीय विकास को गति देना है।

वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट (VGGS) की गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाते हुए, गुजरात सरकार उत्तर गुजरात, कच्छ एवं सौराष्ट्र, दक्षिण गुजरात और मध्य गुजरात इन चार क्षेत्रों में रीजनल कॉन्फ्रेंसेस आयोजित कर रही है। इन कॉन्फ्रेंसेस का मुख्य फोकस प्रत्येक क्षेत्र की विशेष व अनूठी क्षमताओं को उजागर करना, सेक्टर-विशिष्ट अवसरों की पहचान करना और जमीनी स्तर पर निवेश को प्रोत्साहित करना है।

माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल नई दिल्ली में होने वाली इस परिचर्चा बैठक का नेतृत्व करेंगे। यह बैठक दो विशेष सत्रों, एक औद्योगिक जगत के प्रतिनिधियों के साथ और दूसरी विदेशी मिशन प्रमुखों और भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ होगी।

माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल के विशेष संबोधन के अलावा, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ पहला सत्र जो दोपहर में होगा, इसमें गुजरात सरकार के उद्योग आयुक्त श्री पी. स्वरूप, द्वारा श्ॠळ पर विस्तृत प्रेजेंटेशन और उद्योग जगत के अग्रणियों द्वारा उनके अनुभवों को साझा किया जाएगा। भारत सरकार के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) के सचिव श्री अमरदीप सिंह भाटिया, तथा गुजरात सरकार के मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी भी इस सत्र को संबोधित करेंगे।

वहीं शाम को होने वाला दूसरा सत्र, विदेशी मिशन प्रमुखों और भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों को समर्पित होगा। इस सत्र में भी माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल का विशेष संबोधन होगा। साथ ही, इस सत्र में गुजरात सरकार की उद्योग एवं खनन विभाग की प्रधान सचिव सुश्री ममता वर्मा द्वारा VGRC पर प्रेजेंटेशन भी दिया जाएगा, जिसके बाद विदेश मंत्रालय के सचिव (ER), श्री सुधाकर दलेला, और गुजरात सरकार के मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी इस सत्र को संबोधित करेंगे।

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी तीन जोड़ी त्योहार स्पेशल ट्रेन

मुंबई, 3 सितंबर, 2025

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा के त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस-भगत की कोठी, उधना-मऊ और उधना-छपरा के बीच विशेष किराए पर त्योहार स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

1. ट्रेन संख्या 04828/04827 बांद्रा टर्मिनस - भगत की कोठी साप्ताहिक विशेष [28 फेरे]

ट्रेन संख्या 04828 बांद्रा टर्मिनस-भगत की कोठी स्पेशल प्रत्येक रविवार को बांद्रा टर्मिनस से 10:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04:30 बजे भगत की कोठी पहुँचेगी। यह ट्रेन 28 सितंबर से 28 दिसंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04827 भगत की कोठी-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक शनिवार को भगत की कोठी से 11:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07:25 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 27 सितंबर से 27 दिसंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा, साबरमती, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, पिंडवाड़ा, जवाई बांध, फालना, रानी, मारवाड़ जं., पाली मारवाड़ एवं लूनी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, एसी-3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 05018/05017 उधना-मऊ साप्ताहिक स्पेशल [12 फेरे]

ट्रेन संख्या 05018 उधना-मऊ स्पेशल प्रत्येक रविवार को उधना से 15:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 22:30 बजे मऊ पहुँचेगी। यह ट्रेन 28 सितंबर से 2 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 05017 मऊ-उधना स्पेशल प्रत्येक शनिवार को मऊ से 05:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 12:00 बजे उधना पहुँचेगी। यह ट्रेन 27 सितंबर से 01 नवंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में वडोदरा, रतलाम, नागदा, शामगढ़, भवानी मंडी, कोटा, गंगापुर सिटी, बयाना, ईदगाह आगरा, टूंडला, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बादशाह नगर, बाराबंकी जं., गोंडा, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, भटनी, सलेमपुर और बेल्थरा रोड स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

3. ट्रेन संख्या 05116/05115 उधना-छपरा साप्ताहिक स्पेशल [20 फेरे]

ट्रेन संख्या 05116 उधना-छपरा स्पेशल प्रत्येक रविवार को उधना से 10:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 23:00 बजे छपरा पहुँचेगी। यह ट्रेन 28 सितंबर से 30 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 05115 छपरा-उधना स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को छपरा से 17:45 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन यानी रविवार को 07:00 बजे उधना पहुँचेगी। यह ट्रेन 26 सितंबर से 28 नवंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, वाराणसी, जौनपुर, औंड़िहार, गाजीपुर सिटी और बलिया स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 04828 की बुकिंग 06 सितम्बर, 2025 से, जबकि ट्रेन संख्या 05018 एवं 05116 की बुकिंग 05 सितम्बर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

अनंत चतुर्दशी के अवसर पर चर्नी रोड स्टेशन पर लोकल ट्रेनों के समय में परिवर्तन

मुंबई,

पश्चिम रेलवे की फास्ट अप लोकल ट्रेनें 06/09/2025 को 17:00 बजे से 20:30 बजे तक मुंबई सेंट्रल और चर्चगेट के बीच सभी स्टेशनों पर रुकेंगी

सभी धीमी अप लोकल ट्रेनें 06/09/2025 को 17:00 बजे से 23:30 बजे तक चर्नी रोड स्टेशन पर नहीं रुकेंगी

6/7 सितंबर, 2025 की मध्यरात्रि के दौरान पश्चिम रेलवे द्वारा 12 स्पेशल लोकल ट्रेनें चलाई जाएंगी

6/7 सितंबर, 2025 को गणपति विसर्जन के लिए गिरगांव चौपाटी पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए चर्नी रोड स्टेशन पर अत्यधिक भीड़ के मद्देनजर पश्चिम रेलवे द्वारा भीड़ प्रबंधन हेतु तथा यात्री सुविधा सुनिश्चित करने के लिए लोकल ट्रेनों की समय-सारणी में कुछ बदलाव किये गये हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पश्चिम रेलवे द्वारा 6/7 सितंबर, 2025 की मध्यरात्रि को चर्चगेट और विरार के बीच 12 अतिरिक्त लोकल ट्रेनें चलाई जाएंगी। 6 सितंबर, 2025 को फास्ट अप लोकल ट्रेनें 17:00 बजे से 20:30 बजे तक चर्चगेट और मुंबई सेंट्रल स्टेशनों के बीच सभी स्टेशनों पर रुकेंगी। प्लेटफॉर्म संख्या 2 और 3 पर आने और जाने वाले यात्रियों की भीड़ से बचने के लिए 6 सितंबर, 2025 को 17:00 बजे से 23:30 बजे के बीच सभी अप स्लो लोकल ट्रेनों को चर्नी रोड स्टेशन पर प्लेटफॉर्म क्रमांक 2 पर नहीं रोका जाएगा।

भावनगर-साबरमती सुपरफास्ट इंटरसिटी ट्रेन में 4 अतिरिक्त जनरल कोच की सुविधा

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की बढ़ती मांग और उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए भावनगर मंडल की भावनगर-साबरमती दैनिक सुपरफास्ट इंटरसिटी ट्रेन में अस्थाई तौर पर अतिरिक्त कोच की सुविधा प्रदान की जा रही है।

भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि यात्रियों की सुविधा हेतु निम्नानुसार अस्थायी व्यवस्था की गई है -

- ट्रेन संख्या 20966/20965 भावनगर-साबरमती-भावनगर दैनिक सुपरफास्ट इंटरसिटी ट्रेन में 04 (चार) जनरल श्रेणी के अतिरिक्त कोच जोड़े जाएंगे।
- यह सुविधा 04 सितम्बर, 2025 से 03 अक्टूबर, 2025 तक उपलब्ध रहेगी।

इस निर्णय से यात्रियों को अतिरिक्त बैठने एवं यात्रा करने की सुविधा मिलेगी तथा भीड़भाड़ से भी राहत मिलेगी।

पश्चिम रेलवे चलाएगी असारवा और आगरा केंट के बीच स्पेशल ट्रेन

पश्चिम रेलवे द्वारा आगामी फेस्टिवल सीजन के दौरान यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए असारवा और आगरा केंट के बीच स्पेशल ट्रेन (दैनिक) विशेष किराये पर चलाने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः

- ट्रेन संख्या 01920/01919 असारवा-आगरा केंट-असारवा दैनिक स्पेशल

ट्रेन संख्या 01920 असारवा-आगरा केंट स्पेशल 22 सितंबर 2025 से 01 दिसंबर 2025 तक असारवा से प्रतिदिन 17.50 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 10.20 बजे आगरा केंट पहुंचेगी। इस तरह ट्रेन संख्या 01919 आगरा केंट-असारवा स्पेशल 21 सितंबर 2025 से 30 नवंबर 2025 तक आगरा केंट से प्रतिदिन 23.30 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 16.35 बजे असारवा पहुंचेगी।

मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन हिम्मतनगर, डूंगरपुर, जावर, उदयपुर सिटी, मावली, चंदेरिया, मांडल गढ़, बूंदी, केशोराय पाटन, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना, रूपबास और फतेहपुर सीकरी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर एवं सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे।

ट्रेन सं. 01920 की बुकिंग 06 सितंबर 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

कौन हैं कोटा नीलिमा? ने लगाया डबल वोटर आईडी रखने का आरोप, 'वोट चोरी' का 'गेम' कांग्रेस पर ही भारी?

(जीएनएस)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा और उनकी पत्नी कोटा नीलिमा एक बार फिर सियासी तूफान के केंद्र में हैं। बीजेपी ने दोनों पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया है कि इनके पास अलग-अलग राज्यों में दो-दो सक्रिय वोटर आईडी कार्ड हैं।

यह मामला सिर्फ एक आरोप तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राजनीतिक गलियारों में गर्म बहस का कारण बन गया है। बीजेपी ने इसे बड़ी साजिश करार दिया है और भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने इस मुद्दे को उठाते हुए चुनाव आयोग से जांच की मांग की है।

खैरताबाद और दिल्ली में सक्रिय वोटर आईडी

अमित मालवीय ने आरोप लगाया कि कोटा नीलिमा, जिन्होंने तेलंगाना के खैरताबाद से चुनाव लड़ा था, के पास दो सक्रिय वोटर आईडी हैं। एक आईडी खैरताबाद में दर्ज है, जबकि

दूसरी नई दिल्ली में। मालवीय ने यह भी कहा कि इसी तरह पवन खेड़ा के पास भी दो वोटर आईडी होने की जानकारी पहले सामने आ चुकी है।

कौन हैं कोटा नीलिमा?

कोटा नीलिमा एक जानी-मानी लेखिका, शोधकर्त्री, कलाकार और कांग्रेस नेता हैं। उन्होंने किसान आत्महत्याओं, ग्रामीण संकट और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर कई किताबें लिखी हैं, वे दिल्ली विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में ढँऊ कर चुकी हैं और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से अंतरराष्ट्रीय संबंधों में मास्टर्स की डिग्री रखती हैं।

खाना मंगाना अब पड़ेगा महंगा, जोमैटो के बाद अब फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी ने भी इतने रुपये बढ़ा दिया प्लेटफॉर्म चार्ज

अगर आप भी खूब ऑनलाइन खाना ऑर्डर करते हैं तो अब आपकी जेब पर ये भारी पड़ने वाला है। क्योंकि जोमैटो के बाद अब फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी ने अपना प्लेटफॉर्म चार्ज बढ़ा दिया है, जिससे अब यह 12 रुपये से बढ़कर 15 रुपये हो गया है। यह बढ़ोतरी विशेष रूप से उन क्षेत्रों में लागू हुई है जहां खाने की डिलीवरी की मांग अधिक है।

गौरतलब है कि इससे पहले 14 अगस्त के आसपास इसे 14 रुपये किया गया था, और अब इसमें एक रुपये की और वृद्धि की गई है।

यह शुल्क स्विगी के ग्राहकों द्वारा हर फूड डिलीवरी ऑर्डर पर दिया जाने वाला एक निश्चित चार्ज है, और 15 रुपये के इस प्लेटफॉर्म चार्ज में वस्तु एवं सेवा कर (GST) भी शामिल है। यह कदम ऐसे समय में आया है जब त्योहारों के मौसम में मांग बढ़ने की उम्मीद है, और कंपनियां अपने मार्जिन को बेहतर बनाने की कोशिश कर रही हैं।

इससे पहले, जोमैटो ने भी मंगलवार को अपने फूड डिलीवरी ऑर्डर पर प्लेटफॉर्म चार्ज 10 रुपये से बढ़ाकर 12 रुपये कर दिया था, हालांकि इस शुल्क में जीएसटी शामिल नहीं है। स्विगी ने अप्रैल 2023 में पहली बार 2 रुपये का प्लेटफॉर्म चार्ज लागू किया था। कंपनी ने धीरे-धीरे इसे बढ़ाकर 12 रुपये किया ताकि यूनिट इकोनॉमिक्स में सुधार किया जा सके।

जोमैटो ने भी इसी तरह का तरीका अपनाया है, लेकिन उसके शुल्क में आखिरी बदलाव अक्टूबर 2024 में हुआ था। यह शुल्क, भले ही स्विगी के प्लेटफॉर्म पर औसत ऑर्डर मूल्य (लगभग 500-600 रुपये) के मुकाबले छोटा है, कंपनी को अपने मार्जिन सुधारने में मदद कर सकता है। हालांकि, स्विगी ने इस बढ़ोतरी पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

यह बढ़ोतरी उस समय हुई है जब स्विगी को भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। अप्रैल से जून की तिमाही में कंपनी का शुद्ध घाटा पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले दोगुना होकर 1,197 करोड़ रुपये हो गया। इसका मुख्य कारण इसकी इंस्टामार्ट सेवा में किया गया अधिक निवेश बताया गया है।

हालांकि, कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू 54 फीसदी बढ़कर 4,961 करोड़ रुपये रहा, लेकिन विभिन्न गतिविधियों के बाद इसका कैश आउटफ्लो 1,053 करोड़ रुपये रहा, जिसका अर्थ है कि कंपनी ने इस अवधि में नकदी खर्च की है।

बीएसआर निलंबन के बाद के कविता ने दिया इस्तीफा, पिता केसीआर के लिए भावुक होकर बोल दी बड़ी बात

(जीएनएस)।

तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (BRS) ने के. कविता को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में निलंबित कर दिया था, जिसके एक दिन बाद उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और एमएलसी पद से इस्तीफा दे दिया है।

मंगलवार को पार्टी ने के. कविता को निलंबित किया था, जिसके जवाब में बुधवार को उन्होंने अपनी इस्तीफे की घोषणा की। कविता ने बीआरएस से अपने निलंबन को 'पीड़ादायक' बताय "यह बहुत दुखद है कि मुझे अचानक बीआरएस पार्टी से निलंबित कर दिया गया।"

कविता ने पिता केसीआर को भेजा इस्तीफा

मीडिया से बात करते हुए के कविता ने अपने इस्तीफे की पुष्टि की, "मैं एमएलसी पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रही हूं।" उन्होंने आगे कहा, "मैं अपना इस्तीफा स्पीकर और पार्टी अध्यक्ष यानी अपने पिता के. चंद्रशेखर राव को भेज रही हूं।"

क्या किसी और पार्टी में शामिल हो रही के कविता?

कविता ने साफ किया कि वह फिलहाल किसी अन्य पार्टी में शामिल नहीं हो रही हैं। उन्होंने बताया, "मैं किसी भी पार्टी के साथ नहीं जा रही हूं, लेकिन तेलंगाना जागृति के सदस्यों के साथ चर्चा करूंगी और अगले कदम पर फैसला करूंगी।"

पिता केसीआर और भाई के लिए बोल दी बड़ी बात

अपने निलंबन पर कविता ने अपने पिता केसीआर और भाई केटी रामा राव के साथ अपने संबंधों पर भी बात की। उन्होंने कहा, "केसीआर गुरु और केटीआर गुरु मेरे परिवार हैं। हम खून के रिश्ते से बंधे हैं। यह बंधन पार्टी से निलंबन या पद गंवाने जैसे कारणों से नहीं टूटना चाहिए।"

परिवार तोड़ने का लगाया आरोप?

हालांकि, के कविता ने आरोप लगाया कि कुछ लोग अपने व्यक्तिगत और राजनीतिक लाभ के लिए उनके परिवार को तोड़ना चाहते हैं। कविता ने अपने पिता से अनुरोध किया कि वे अपने आसपास के पार्टी नेताओं की जांच करें।

कविता ने दावा किया, "मैंने साफ-साफ बात की और उनसे मेरे शब्दों पर विचार करने का अनुरोध किया। (तेलंगाना के मुख्यमंत्री) रेवंत रेड्डी और (बीआरएस विधायक) हरीश राव ने एक साथ फ्लाइट में यात्रा करते हुए कथित तौर पर हमारे परिवार को बर्बाद करने की योजना बनाई।"

कविता ने रेवंत रेड्डी से इस पर जवाब मांगा

कविता ने रेवंत रेड्डी से इस पर जवाब मांगा। उन्होंने आरोप लगाया कि रेड्डी ने केवल उनके परिवार के सदस्यों, केटीआर और केसीआर के खिलाफ मामले दर्ज किए, लेकिन हरीश राव के खिलाफ नहीं।

भारतीय रेलवे ने बदल दिया पार्सल बुकिंग के नियम, पहले और अब के रूल्स में है कितना अंतर?

(जीएनएस)।

भारतीय रेल ने यात्रियों और पार्सल सेवा की सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। अब रेलवे के पार्सल बुकिंग सिस्टम में पारदर्शिता और निगरानी को बढ़ाने के लिए सख्त नियम लागू किए जा रहे हैं। अब कोई भी व्यक्ति पार्सल बुक कराने जाएगा तो उसे अपनी पहचान बतानी अनिवार्य होगी। इस कदम का मकसद धोखाधड़ी और संदिग्ध गतिविधियों पर रोक लगाना है।

पार्सल बुक कराने वाले व्यक्ति को अब पहचान पत्र की फोटो कॉपी और मोबाइल नंबर देना होगा। पहचान के लिए आधार कार्ड, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस या पासपोर्ट में से कोई एक दस्तावेज दिखाना अनिवार्य कर दिया गया है। साथ ही, बुकिंग की जानकारी और सीसीटीवी फुटेज का

रिकॉर्ड 30 दिनों तक सुरक्षित रखा जाएगा ताकि जरूरत पड़ने पर जांच में मदद मिल सके।

संदिग्ध पार्सल पर नजर

रेलवे ने निर्देश दिया है कि पार्सल में बुक किए जाने वाले सामान की जांच-पड़ताल भी होगी। जरूरत पड़ने पर डॉग स्क्वॉड की मदद से संदिग्ध पार्सलों की तलाशी ली जाएगी। रेलवे का मानना है कि इस कदम से पार्सल सेवा में पारदर्शिता बढ़ेगी और धोखाधड़ी की घटनाओं पर रोक लगेगी।

डेटा और सीसीटीवी फुटेज का रिकॉर्ड

बुकिंग डिटेल्स और सीसीटीवी फुटेज का रिकॉर्ड कम से कम 30 दिनों तक सुरक्षित रखा जाएगा, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जांच में तुरंत मदद मिल सके। रेलवे का मानना है कि इन सख्त नियमों से धोखाधड़ी और सुरक्षा से जुड़ी गड़बड़ियों पर रोक लगेगी।

पुराने नियमों की प्रक्रिया

पहले पार्सल बुकिंग की प्रक्रिया अपेक्षाकृत सरल थी। उस समय केवल "फॉरवर्डिंग नोट" भरने और रेलवे रसीद (फ्फ) लेने की जरूरत होती थी। पार्सल की पैकिंग और वजन की जांच मौके पर की जाती थी। इ१ङ्गं ऋृं पर अधिकतम 150 किलोग्राम वजन और 2.01.51.25 मीटर डाइमेंशन की सीमा निर्धारित थी।

चार स्केल के आधार पर चार्ज

पुराने नियमों में पार्सल की दरें चार स्केल - स्केल-फ (राजधानी), स्केल-ढ (प्रीमियर), स्केल-र (स्टैंडर्ड) और स्केल-छ (लगेज) - के आधार पर तय होती थीं।

टीवी एक्टर आशीष कपूर को रेप के आरोप में हुए अरेस्ट, इंस्टाग्राम पर दोस्ती और एक हाउस पार्टी के दौरान हुई घटना से जुड़ा

(जीएनएस)।

दिल्ली पुलिस ने टीवी के मशहूर एक्टर आशीष कपूर को बलात्कार के आरोप में पुणे से गिरफ्तार किया है। उन पर एक महिला ने बलात्कार का गंभीर आरोप लगाया है। यह मामला अगस्त 2025 के दूसरे हफ्ते में दिल्ली में एक हाउस पार्टी के दौरान हुई घटना से जुड़ा है।

एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी कि अगस्त के दूसरे सप्ताह में दिल्ली में एक हाउस पार्टी के दौरान कपूर ने वॉशरूम के भीतर उसके साथ यौन उत्पीड़न किया। इस गिरफ्तारी से मनोरंजन जगत में हलचल मच गई है और सोशल मीडिया पर लोग अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

पुलिस उपायुक्त (उत्तर) राजा बनथिया ने पुष्टि की कि कपूर को बुधवार को पुणे से गिरफ्तार किया गया। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने पहले गोवा, फिर पुणे में आरोपी की गतिविधियों पर नजर रखी, दोनों जगहों पर टीमें भेजी गईं और अंततः उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

इंस्टाग्राम पर हुई थी एक्टर से दोस्ती

पुलिस के अनुसार, पीड़िता और 'सात फेरे' फेम अभिनेता आशीष कपूर की पहचान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर हुई थी। बातचीत के बाद दोनों के बीच दोस्ती बढ़ी और फिर मुलाकातें शुरू हुईं। अगस्त 2025 के दूसरे हफ्ते में दिल्ली के एक घर में पार्टी रखी गई, जिसमें आशीष कपूर अपने दोस्तों के साथ मौजूद थे।

एक्टर और उसके दोस्तों ने किया यौन उत्पीड़न

पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने आरोप लगाया है कि आशीष कपूर, उनके दोस्त जिन्होंने पार्टी की मेजबानी की थी और दो अज्ञात पुरुषों ने उसके साथ यौन उत्पीड़न किया। उसने यह भी दावा किया कि एक महिला ने उसे शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया।

पीड़िता का आरोपः वॉशरूम में हुई घटना

एफआईआर में दर्ज बयान के अनुसार, पार्टी के दौरान पीड़िता वॉशरूम गई, जहां आशीष कपूर पहले से मौजूद थे। पीड़िता का आरोप है कि वहीं पर कपूर ने उसके साथ जबरदस्ती की। उसने यह भी दावा किया कि घटना के दौरान वीडियोग्राफी भी की गई, हालांकि पुलिस को अब तक ऐसा कोई वीडियो सबूत नहीं मिला है।

दोस्तों पर पहले लगाया आरोप, बाद में बदल दिया बयान

शुरूआत में दर्ज एफआईआर में आशीष कपूर, उनके एक दोस्त, दोस्त की पत्नी और दो अन्य अज्ञात लोगों के

नाम शामिल थे। हालांकि, बाद में पीड़िता ने अपना बयान बदलते हुए कहा कि केवल आशीष कपूर ने ही उसके साथ बलात्कार किया। इस बदलाव के बाद जांच का फोकस अब पूरी तरह आशीष कपूर पर केंद्रित हो गया है। महिला ने यह भी आरोप लगाया था कि घटना का वीडियो बनाया गया था, लेकिन पुलिस की अब तक की जांच में कोई वीडियो नहीं मिला है।

पिटाई का भी आरोप

पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि जब वह वॉशरूम से बाहर निकली, तो आशीष कपूर के दोस्त की पत्नी ने उसकी पिटाई की। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, पार्टी के बाद तनाव की स्थिति बनी और उसी वक्त आशीष कपूर के दोस्त की पत्नी ने ही पीसीआर कॉल कर पुलिस को बुलाया था।

पुलिस को सीसीटीवी में मिला ये फुटेज

11 अगस्त को कपूर, उनके दोस्त, दोस्त की पत्नी और दो अज्ञात पुरुषों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। 21 अगस्त को कपूर के दोस्त और उनकी पत्नी को अग्रिम जमानत मिल गई थी। सुनवाई के दौरान पीड़िता मौजूद थी, हालांकि उसके बयानों में कपूर के दोस्त का नाम शामिल नहीं था। जांच अधिकारियों ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज और चश्मदीदों के बयानों के विश्लेषण से पता चला है कि पार्टी के दौरान पीड़िता और कपूर वॉशरूम में घुसे थे।

पुणे में पुलिस ने आशीष कपूर को किया अरेस्ट

दिल्ली पुलिस ने जांच आगे बढ़ाते हुए आशीष कपूर को पुणे से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद उन्हें दिल्ली लाकर कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस का कहना है कि मेडिकल और इलेक्ट्रॉनिक सबूत इकट्ठा करने की प्रक्रिया जारी है।

प्रशांत किशोर इस ब्राह्मण बहुल सीट से लड़ेंगे विधानसभा चुनाव, अब क्या होगा सियासी समीकरण?

(जीएनएस)।

बिहार की सियासत में लंबे समय से यह सवाल गूंज रहा था कि क्या प्रशांत किशोर खुद चुनावी मैदान में उतरेंगे या सिर्फ रणनीतिकार की भूमिका में रहेंगे? आखिरकार इस सस्पेंस से पर्दा उठ गया है। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने साफ कर दिया है कि वे बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में रोहतास जिले की करगहर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे।

"कर्मभूमि और जन्मभूमि से लड़ना चाहिए चुनाव"

पटना में आयोजित डिजिटल चैनल के कॉन्क्लेव में प्रशांत किशोर ने कहा-"मैं हमेशा मानता हूं कि किसी को दो जगह से चुनाव लड़ना चाहिए-एक उसकी जन्मभूमि और दूसरी कर्मभूमि। मेरी जन्मभूमि करगहर है और वहीं से मैं विधानसभा चुनाव लड़ना चाहता हूं।" उनके इस ऐलान के बाद करगहर सीट अचानक बिहार की हॉट सीट बन गई है। यहां

अब सियासी समीकरणों की पूरी तस्वीर बदल सकती है।

प्रशांत किशोर का करगहर से चुनाव लड़ना बिहार की राजनीति में नई सरगर्मी लेकर आया है। ब्राह्मण बहुल इस सीट पर अब मुकाबला बेहद दिलचस्प होने वाला है। महागठबंधन की मजबूती, एनडीए की रणनीति और जन सुराज की एंट्री-तीनों मिलकर इस चुनाव को ऐतिहासिक बना सकते हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता असित नाथ तिवारी ने कहा कि प्रशांत किशोर पहले अपनी खुद की जमानत बचा लें, यही बड़ी बात होगी। प्रशांत किशोर की तरह प्रयोग पहले आनंद मोहन भी कर चुके हैं, लेकिन उन्हें मुंह की खानी पड़ी थी। प्रशांत किशोर का भी वही हाल हो सकता है।

तेजस्वी यादव की परंपरागत सीट राघोपुर सीट को लेकर भी दिया ये संकेत

प्रशांत किशोर ने भले ही खुलकर ऐलान न किया हो, लेकिन इशारों-इशारों में यह संकेत जरूर दे दिया है वह या तो अपने जन्मस्थान रोहतास जिले की करगहर सीट से चुनाव लड़ सकते हैं, या फिर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की परंपरागत सीट राघोपुर से ताल ठोक सकते हैं।

दिलचस्प बात यह रही कि प्रशांत किशोर ने एक साथ दो सीटों से चुनाव लड़ने की संभावना भी जताई। उन्होंने कहा, "नीतीश कुमार तो चुनाव लड़ते ही नहीं हैं। अगर जेडीयू अध्यक्ष खुद चुनाव मैदान में होते, तो मैं वहां से भी लड़ता।" हालांकि अब प्रशांत किशोर ने खुद ही साफ कर दिया है कि वो करगहर सीट से चुनाव लड़ेंगे।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

लाखों किसानों की आजीविका को नष्ट कर रहा पंजाब का बाढ़ संकट

बाढ़ से आंसू बहाते दो पंजाब, पाकिस्तान के वुछ यू टूबर्स आरोप लगा रहे हैं कि भारत के इस कदम से न केवल पाकिस्तान बल्कि भारत में भी बाढ़ आई। उनका दावा है कि भारत ने डैमों को पाकिस्तान के पानी से भरकर अचानक फाटक खोले, जिससे पाकिस्तानी पंजाब में विनाशकारी बाढ़ आई। अमृता प्रीतम ने देश के बंटवारे के कारण पंजाब में हुए कत्लेआम पर एक कालजयी रचना लिखी थी- 'अज्ज आखाँ वारिस शाह नूं, कितों कबरां विच्चों बोल..'। ये नज़्म 1947 में हुए बंटवारे की प्रतिनिधि रचना मानी जाती है। इसमें बंटवारे के दर्द को बेहद मरमिक तरीके से व्यत्त किया गया है। आजकल सरहद के आर पार का पंजाब फिर से शोकावुल है। दोनो पंजाब बाढ़ के कारण हुई अपनी बबादी पर रो रहे हैं। भयानक बाढ़ ने लाखों लोगों को तबाह कर दिया है। इस कारण ना जाने कितने मवेशी बह गए हैं। इस कष्ट और बेबसी ने दो मुल्कों और सरहदों की दूरियां मिटा दी हैं। दरअसल दोनों पंजाब अभूतपूर्व प्रावृतिक आपदा का सामना कर रहे हैं। भारी मानसूनी बारिश, नदियों का उफान, और बांधों से पानी का अनियंत्रित रिसाव ने दोनों देशों के पंजाब प्रांतों में भयावह बाढ़ ला दी है। सोशल मीडिया पर बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों की तस्वीरों को देखकर दिल दहल जाता है। सब तरफ पानी ही पानी दिखाई देता है। पंजाब क्षेत्र में इस साल मानसून असामान्य रूप से तीव्र रहा है। भारत और पाकिस्तान दोनों में मौसम विभागों के अनुसार, 1 जुलाई से 27 अगस्त 2025 के बीच पंजाब में पिछले साल की तुलना में 26.5ट्ठ अधिक बारिश दर्ज की गई। यह अत्यधिक वर्षा दक्षिण-पमि मानसून का परिणाम है, जो दोनों देशों में भारी बारिश का प्रमुख रत्रोत है। जलवायु परिवर्तन ने इस मानसून को और उग्र बना दिया है, क्योंकि गर्म हवा अधिक नमी को समाहित करती है, जिसके परिणामस्वरूप भारी और अनियंत्रित बारिश होती है। पंजाब की प्रमुख नदियां- रावी, सतलज, ब्यास, और चिनाव साल असामान्य रूप से उफान पर हैं। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश ने इन नदियों में पानी का प्रवाह बढ़ा दिया है, जिसके कारण भारत के पंजाब में गुरदासपुर, अमृतसर, और फिरोजपुर जैसे जिलों में बाढ़ आई। पाकिस्तान में भी, इन नदियों का जलस्तर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, जिसने लाहौर, कसूर, और बहावलनगर जैसे क्षेत्रों को जलमग्न कर दिया। लाहौर के पॉश इलाकों में रावी का पानी घुसने से हजारों घर प्रभावित हुए हैं। हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना भी इस बाढ़ का एक प्रमुख कारण है। पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अनुसार, देश के 7,500 ग्लेशियरों में से लगभग 45ट्ठ तेजी से पिघल रहे हैं। यह पिघलता पानी रावी, सतलुज, और चिनाब जैसी नदियों में प्रवेश करता है, जिससे उनका जलस्तर खतरनाक स्तर तक बढ़ जाता है। पाकिस्तान के जाने माने पत्रकार हमजा हबीब कहते हैं कि उनके देश के पंजाब में खराब जल निकासी प्रणाली ने बाढ़ के प्रभाव को और बढ़ा दिया। उदाहरण के लिए, वाघा बॉर्डर पर जलभराव की स्थिति भारत की तुलना में अधिक गंभीर थी, क्योंकि भारत ने बेहतर रेन वाटर हाव्रेस्टग और ड्रेनेज सिस्टम लागू किया है। इसके विपरीत, पाकिस्तान में अपर्याप्त ड्रेनेज ने पानी को जमा होने दिया, जिससे सड़वें, घर, और खेत जलमग्न हो गए। भारत में भी, वुछ क्षेत्रों में पुराने बुनियादी ढांचे और अतिामण ने जल निकासी को बाधित किया, जिससे बाढ़ की स्थिति और खराब हो गई। सब जानते हैं कि पंजाब दोनों देशों का ठअन्न भंडारठ है। इस बाढ़ ने इसे बुरी तरह प्रभावित किया है। भारत में 61 हजार हेक्टेयर से अधिक वृषि भूमि डूब गई, जबकि पाकिस्तान में हजारों एकड़ फसलें नष्ट हो गई। यह न केवल खाद्या सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि लाखों किसानों की आजीविका को भी नष्ट कर रहा है। 2022 के बाद फिर डूबा पाक - 2022 की बाढ़ की तरह, इस बार भी पाकिस्तान में खाद्या संकट की आशंका बढ़ गई है। पाकिस्तान पहले से ही आर्थिक संकट से जूझ रहा है, और यह बाढ़ उसकी चुनौतियों को और बढ़ा रही है। हजारों घर, सड़वें, और सार्वजनिक बुनियादी ढांचा नष्ट हो गया है।

शहरी विकास वर्ष में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल का राज्य के शहरी क्षेत्रों में नगर पालिकाओं द्वारा किए जाने वाले विकास कार्यों को और अधिक गति देने वाला निर्णय

- मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत अनुदान से शहरों में किए जाने वाले कार्यों की तकनीकी और प्रशासनिक स्वीकृति देने की शक्तियों में 50 फीसदी की वृद्धि की
- विकास कार्य शुरू करने में होने वाले विलंब को दूर कर ग्रांट का अधिकतम सदुपयोग सुनिश्चित करने एवं प्रशासनिक सरलीकरण के लिए मुख्यमंत्री का अनुकरणीय निर्णय
- नगर पालिका स्तर पर समिति द्वारा तकनीकी और प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बाद आर.सी.एम. द्वारा दो किस्तों में 100 फीसदी ग्रांट का आवंटन किया जाएगा
- 'अ' श्रेणी की नगर पालिका में अब नगर पालिका स्तरीय समिति द्वारा ही 70 लाख रुपए तक के कार्यों की तकनीकी और प्रशासनिक स्वीकृति दी जा सकेगी
- 'ब' श्रेणी में 50 लाख रुपए, 'क' श्रेणी में 40 और 'ड' श्रेणी में 30 लाख रुपए तक के कार्यों की तकनीकी और प्रशासनिक स्वीकृति दी जा सकेगी

गांधीनगर, 03 सितंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने शहरी विकास वर्ष की संकल्पना को साकार करते हुए शहरों-नगरों में स्थानीय निकायों द्वारा किए जाने वाले नागरिक-उन्मुख विकास कार्यों को और अधिक गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय किया है।

मुख्यमंत्री ने राज्य की नगर पालिकाओं को शहरी विकास विभाग की योजनाओं तथा विकेंद्रिकृत जिला योजना कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य सरकार के योजना प्रभाग की ग्रांट से उनके द्वारा किए जाने वाले कार्यों की तकनीकी और प्रशासनिक स्वीकृति देने की शक्तियों की सीमा में 50 फीदी की वृद्धि करने का निर्णय किया है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान वर्ष 2005 में शहरी विकास वर्ष के आयोजन द्वारा योजनाबद्ध शहरी विकास की नींव डाली थी।

शहरी विकास की दो दशकों की इस सफलता के चलते मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने 2025 के वर्ष को शहरी विकास वर्ष के रूप में मनाकर शहरी

परिवेश में परिवर्तन और नागरिकों के सशक्तिकरण के जरिए स्मार्ट और सस्टेनेबल शहरों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया है।

इस लक्ष्य को साकार करने के लिए शहरों में विकास कार्यों में और अधिक तेजी लाकर शहरी जनसुविधा के कार्यों को शीघ्रता से शुरू करने के लिए वित्तीय शक्तियों की सीमा में की गई यह वृद्धि परिणामकारी सिद्ध होगी।

मुख्यमंत्री ने इस उद्देश्य से 'अ' श्रेणी की नगर पालिकाओं के विकास कार्यों के लिए नगर पालिका स्तरीय समिति द्वारा दी जाने वाली तकनीकी और प्रशासनिक स्वीकृति की 50 लाख रुपए की मौजूदा वित्तीय सीमा को 20 लाख रुपए बढ़ाकर अब 70 लाख रुपए कर दिया है।

इतना ही नहीं, 'ब' श्रेणी की नगर पालिकाओं के लिए 40 लाख से बढ़ाकर 50 लाख रुपए, 'क' श्रेणी के लिए 30 लाख रुपए से बढ़ाकर 40 लाख रुपए और 'ड' श्रेणी के लिए 20 लाख से बढ़ाकर 30 लाख रुपए तक के कार्यों की तकनीकी और प्रशासनिक स्वीकृति देने की शक्तियां सौंपी गई है।

मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक सरलीकरण की दिशा में एक अनुकरणीय कदम उठाकर यह भी सुनिश्चित करने के दिशा-निर्देश दिए हैं कि नगर पालिका स्तरीय समिति द्वारा तकनीकी और प्रसासनिक स्वीकृति मिलने के बाद प्रादेशिक म्युनिसिपल कमिश्नर (आरसीएम) कार्यालय द्वारा संबंधित नगर पालिका को प्रस्ताव मिलने के पांच दिनों के भीतर अनुदान आवंटित कर दिया जाए।

इतना ही नहीं, इस प्रकार के अनुदान को दो किस्तों में 100 फीसदी आवंटित कर दिया जाएगा। इसके परिणामस्वरूप नगर पालिका क्षेत्रों में विकास कार्यों को शुरू करने में होने वाले विलंब का निवारण हो सकेगा और अनुदान का अधिकतम सदुपयोग भी किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने वित्तीय शक्तियों की सीमा में वृद्धि का यह निर्णय शहरी क्षेत्रों के विधायकों, स्थानीय निकायों के पदाधिकारियों और अग्रणियों द्वारा इस विषय में उनके समक्ष रखी गई मांग पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए किया है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के इस निर्णय के चलते शहरों और शहरी क्षेत्रों के सुनियोजित विकास के साथ-साथ 'अर्निंग वेल, लिविंग वेल' का दृष्टिकोण भी चरितार्थ होगा तथा शहरी क्षेत्रों में जन सुविधा के कार्यों सहित विभिन्न विकास कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से पूरे होंगे।

यमुना में बढ़े जलस्तर ने तोड़ा रिकॉर्ड, दिल्ली सचिवालय तक पहुंचा पानी, निगमबोध घाट की दीवार तोड़ी

(जीएनएस)।

दिल्ली में यमुना नदी का लगातार बढ़ रहे जलस्तर ने लोगों की धड़कने बढ़ा दी है। इसकी वजह से स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। यमुना का उफान दिल्ली सचिवालय जाने वाले मार्ग तक पहुंच गया है, जिससे एक रास्ता बंद कर दिया गया है। ट्रैफिक पुलिस ने आउटर रिंग रोड और आसपास के इलाकों में भारी जाम की आशंका जताते हुए अलर्ट जारी किया है।

वहीं बुधवार देर शाम निगमबोध घाट परिसर की दीवार ढहने से बाढ़ का पानी तेजी से अंदर घुस गया, जिसके कारण दिल्ली के सबसे पुराने और व्यस्त श्मशान घाट को बंद करना पड़ा। इससे पहले ही दिन में पानी भरने के कारण दाह संस्कार रोक दिए गए थे, लेकिन दीवार टूटने से हालात और गंभीर हो गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, घाट के भीतर पानी भर जाने से इसे सुरक्षा कारणों से बंद करना अनिवार्य हो गया था।

दिल्ली में लगातार हो रही बारिश के चलते यमुना नदी में आई बाढ़ ने 2023 की बाढ़ की यादें ताजा कर दी है। तब यमुना नदी का जलस्तर 208.66 मीटर तक पहुंच गया था और दिल्ली के प्रमुख इलाके जलमग्न हो गए थे और हजारों की संख्या में लोगों को सुरक्षित जगह पर विस्थापित करना पड़ा था। वहीं इस बार भी यमुना में जलस्तर 207 मीटर के पार चला गया है।

प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 38 राहत कैंप स्थापित किए हैं, जहां हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। इतना ही नहीं कई टेंट में भी पानी पहुंच गया है। यमुना बाजार इलाके में लगाए गए राहत शिविरों में पानी घुसने के बाद, वहां से लोगों को अन्य सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जा रहा है। प्रशासन ने पूरे इलाके को खाली कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

निगमबोध घाट के बंद होने से राजधानी में अंतिम संस्कार व्यवस्था

पर दबाव बढ़ गया है। सरकार और आपदा प्रबंधन विभाग स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जलस्तर और बढ़ा तो राजधानी में हालात बिगड़ सकते हैं।

यमुना के जलस्तर का रिकॉर्ड:

2023: 208.66 मीटर

1978: 207.49 मीटर

2025: 207.33 मीटर (शाम 6 बजे)

2013: 207.32 मीटर

दिल्ली सरकार ने यमुना किनारे बसे इलाकों से लोगों को स्थानांतरित करने की तैयारी शुरू कर दी है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष 24 घंटे काम कर रहा है और हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। दिल्ली के ढहऊमंत्री प्रवेश वर्मा ने बुधवार को आईटीओ बैराज का दौरा किया। मंत्री ने बताया यमुना बेल्ट पर रहने वाले लोगों को स्कूलों में बने कैंपों में स्थानांतरित किया जा रहा है।

जलभराव की वजह से किया रूट डायर्जन

दिल्ली पुलिस ने ट्रैफिक अलर्ट जारी करते हुए बताया है कि आउटर रिंग रोड पर मजनूं का टीला से सलीमगढ़ बाईपास तक यातायात प्रभावित है। कई स्थानों पर डायवर्जन लगाए गए हैं।

अगले दो दिनों तक बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है

केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, पिछले 24 घंटों में ऊपरी राज्यों में भारी बारिश के कारण यमुना में पानी का प्रवाह तेजी से बढ़ा है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच होंगे 3 मुकाबले? कैसे होगा यह संभव, सामने आया समीकरण

(जीएनएस)।

भारत और पाकिस्तान के बीच हर इवेंट का मुकाबला हमेशा खास ही होता है। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच इस बार मुकाबला 14 सितंबर को खेला जाएगा। यह मैच दुबई में होगा। दोनों टीमों की तरफ से जीत दर्ज करने के लिए जोर लगाया जाएगा।

इस एक मैच से ही मामला समाप्त नहीं होने वाला है। इस एशिया कप में टीम इंडिया तीन बार पाक के खिलाफ खेल सकती है। ऐसा संभव है क्योंकि एशिया कप का फॉर्मेट इसके पक्ष में है। ग्रुप चरण में एक मैच होने के बाद अगले चरण में दो मैच होने के आसार हैं।

आठ टीमों को 4-4 के हिसाब से दो ग्रुप में बांटा गया है। भारत, पाकिस्तान, यूएई और ओमान को एक साथ रखा गया है। ग्रुप चरण के बाद सुपर 4 के मैच होंगे। वहां चार टीमें

होंगी। हर टीम उसमें एक-दूसरे के खिलाफ खेलेगी। उसके बाद रैंकिंग के आधार पर फाइनल का रास्ता तय होगा।

सुपर चार से फाइनल का रास्ता

अगर भारत और पाकिस्तान की टीमें सुपर फॉर चरण में टॉप दो टीमें बनकर सामने आती हैं, तो फाइनल मैच खेला जाएगा। सुपर चार में टॉप दो टीमों को फाइनल खेलने का मौका मिलेगा। सेमीफाइनल का कोई प्रावधान इस इवेंट में नहीं रखा गया है। इस वजह से अगर फाइनल में भारत-पाक दोनों जाते हैं, तो दोनों के बीच कुल तीन मुकाबले हो जाएंगे।

किस टीम का पलड़ा रहेगा भारी

एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम का पलड़ा भारी नजर आ रहा है। टी20 फॉर्मेट में दोनों टीमों के बीच जितने भी मैच खेले गए हैं, उनमें भारतीय टीम ने जमकर धमाल मचाया है। उसे देखते हुए एशिया कप में भी पाकिस्तान की राह मुश्किल होगी।

भारत-पाक के बीच टी20 फॉर्मेट में अब तक कुल 13 मुकाबले खेले गए हैं। भारतीय टीम ने 10 मैचों में जीत दर्ज की है। पाकिस्तानी टीम को महज 3 ही मैचों में जीतने का मौका मिला है। इन आंकड़ों को देखते हुए कहा जा सकता है कि 14 सितंबर को भारतीय टीम एक बार फिर से पाकिस्तान को पीट देगी।

भाजपा का नया अध्यक्ष कौन होगा? सरप्राइज की जगह इस बार क्लियर कट होगा फैसला, चुनाव में देरी क्यों?

(जीएनएस)।

भाजपा में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर सस्पेंस लगातार बढ़ता जा रहा है। बिहार चुनाव से पहले पार्टी जल्द ही नए अध्यक्ष के नाम का ऐलान कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक, इस बार कोई बड़ा सरप्राइज नहीं होगा और चर्चा में आए नामों में से ही किसी को अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। सूत्रों के मुताबिक भाजपा इस बार किसी चौंकाने वाले नाम का ऐलान नहीं करेगी। भाजपा ने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के नामों की पैनल तैयार कर ली है, बस उसपर विचार किया जा रहा है।

सूत्रों के मुताबिक भाजपा 6 नामों पर गंभीरता से विचार कर रही है। इनमें शिवराज सिंह चौहान, मनोहर लाल खट्टर, धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव, सुनील बंसल और विनोद तावड़े शामिल हैं। कई रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि असली मुकाबला शिवराज सिंह चौहान और मनोहर लाल खट्टर के बीच है।

भाजपा इस बार नहीं देगी सरप्राइज

सूत्रों के मुताबिक, भाजपा इस बार किसी चौंकाने वाले नाम पर दांव नहीं लगाएगी। पार्टी का रुख साफ है कि सामाजिक समीकरण या क्षेत्रीय संतुलन को देखते हुए चयन नहीं होगा, बल्कि उन्हीं चेहरों में से किसी को अध्यक्ष बनाया जाएगा जिनके नाम पहले से चर्चा में हैं। यानी संभावना है कि किसी बड़े और परिचित चेहरे को ही राष्ट्रीय अध्यक्ष की कमान सौंपी जाएगी।

हालांकि, यह भी स्पष्ट किया गया है कि अगर किसी वजह से बिहार चुनाव की घोषणा से पहले नया अध्यक्ष नहीं चुना जा सका, तो फिर चुनाव प्रक्रिया के बीच नहीं, बल्कि बिहार विधानसभा चुनाव के बाद ही नए अध्यक्ष का ऐलान किया जाएगा।

कब होगा भाजपा के नए अध्यक्ष का ऐलान?

पार्टी सूत्रों का कहना है कि 9 सितंबर को उपराष्ट्रपति चुनाव के बाद सलाह-मशविरा तेज होगा और इसके बाद अध्यक्ष चुनाव का कार्यक्रम तय किया जाएगा। अगर बिहार चुनाव से पहले नए अध्यक्ष का चुनाव नहीं हो पाया, तो यह प्रक्रिया चुनाव के बाद पूरी होगी।

कहा जा रहा है कि जल्द ही भाजपा की एक बैठक होने वाली है, जिसमें केंद्रीय कैबिनेट में फेरबदल, भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति और राज्यपालों के तबादले जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। रिपोर्ट ये भी है कि पितृ पक्ष के दौरान भाजपा किसी भी तरह से बदलाव नहीं करेगी। गौरतलब है कि पितृ पक्ष की अवधि 1-2 सितंबर से शुरू हो रही है। परंपरागत रूप से इस दौरान नई नियुक्तियां नहीं की जातीं। ऐसे में अगर फैसला अभी टलता है, तो पार्टी और सरकार में होने वाले बदलावों की प्रक्रिया और भी आगे खिसक सकती है।

भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन में लगातार हो रही देरी के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं। दरअसल, पार्टी इस बार गहन मंथन और व्यापक विचार-विमर्श के बाद ही अंतिम नाम पर मुहर लगाना चाहती है। इसी सिलसिले में आरएसएस और भाजपा नेतृत्व ने करीब 100 वरिष्ठ नेताओं से राय-मशविरा किया है।

सूत्रों के मुताबिक इनमें पार्टी के पूर्व अध्यक्ष, केंद्रीय मंत्रिमंडल के वरिष्ठ सदस्य और संगठन से जुड़े दिग्गज नेताओं के साथ-साथ संवैधानिक पदों पर रह चुके नेता भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि अब तक करीब 88 नेताओं से व्यक्तिगत मुलाकात कर उनकी राय ली जा चुकी है।

जहां कई नेताओं ने अपनी ओर से संभावित नाम सुझाए हैं, वहीं कुछ ने साफ कहा कि पार्टी जो भी फैसला करेगी, वे उसके साथ रहेंगे। यह भी वजह है कि बीजेपी किसी जल्दबाजी में नहीं, बल्कि सर्वसम्मति और संतुलन के साथ नया अध्यक्ष चुनना चाहती है।

कौन होगा भाजपा का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष? 4 प्रमुख दावेदारों की लिस्ट

1. शिवराज सिंह चौहान

6 बार लोकसभा सांसद और 4 बार मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके शिवराज, लाडली बहना योजना जैसी बड़ी योजनाओं के लिए जाने जाते हैं। माना जाता है कि उनके अनुभव और लोकप्रियता की वजह से वे मजबूत दावेदार हैं।

2. मनोहर लाल खट्टर

हरियाणा के पूर्व CM और मौजूदा केंद्रीय मंत्री खट्टर, पीएम मोदी के पुराने साथी माने जाते हैं। 90 के दशक से दोनों की नजदीकियां चर्चा का विषय रही हैं।

3. धर्मेंद्र प्रधान

ओडिशा से आने वाले मौजूदा शिक्षा मंत्री, संगठन और सरकार दोनों में लोकप्रिय हैं। ABVP से राजनीति शुरू करने वाले प्रधान का अनुभव भी उन्हें रेस में आगे करता है।

4. सुनील बंसल

राजस्थान से आने वाले बंसल ने यूपी चुनाव में भाजपा की जीत में अहम रोल निभाया था। फिलहाल वे ओडिशा, बंगाल और तेलंगाना के प्रभारी हैं और संगठनात्मक रणनीति में माहिर माने जाते हैं।

अब देखने वाली बात यह होगी कि भाजपा संगठन की कमान किसे सौंपती है-शिवराज सिंह चौहान का अनुभव या मनोहर लाल खट्टर का भरोसा पार्टी पर भारी पड़ता है।

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा ने क्यों बंद किया अपना रेस्तरां 'बास्टियन बांद्रा', क्या है इसके पीछे की कहानी

(जीएनएस)।

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा इन दिनों मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। कुछ हफ्ते पहले ही आर्थिक अपराध शाखा (EOW) ने दोनों के खिलाफ 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया था। इसी बीच शिल्पा ने अपने मशहूर रेस्टोरेंट 'बास्टियन बांद्रा' को बंद करने का ऐलान किया है।

2016 में लॉन्च हुआ यह रेस्टोरेंट मुंबई की नाइटलाइफ का अहम हिस्सा बन चुका था। शिल्पा ने सोशल मीडिया के जरिए फैंस को इस फैसले की जानकारी दी और बताया कि जल्द ही इसका नया रूप 'बास्टियन एट द टॉप' के तहत पेश किया जाएगा।

मुंबई के 'हॉटस्पॉट' में शुमार था यह रेस्टोरेंट

मुंबई में 2016 में शुरू हुआ 'बास्टियन बांद्रा' न केवल खाने के लिए बल्कि फिल्मी सितारों और बिजनेस जगत की हस्तियों के लिए मिलने-जुलने का अहम स्थल बन गया था। खासकर सी-फूड के लिए मशहूर यह रेस्टोरेंट समय के साथ शहर की नाइटलाइफ का प्रतीक बन गया। शिल्पा शेट्टी और

रंजीत बिंद्रा की पार्टनरशिप में शुरू हुआ यह रेस्टोरेंट मुंबई के 'हॉटस्पॉट' में शुमार था।

'बास्टियन एट द टॉप' के साथ नए अध्याय की शुरूआत की

शिल्पा ने इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा कि यह गुरुवार मुंबई के लिए एक युग का अंत होगा। उन्होंने कहा, 'बास्टियन ने हमें और शहर को अनगिनत यादें दी हैं। इस मौके पर हम एक खास नाइट आयोजित करेंगे, जिसमें पुराने ग्राहकों और दोस्तों के साथ इन यादों को सेलिब्रेट किया जाएगा।' इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बास्टियन ब्रांड पूरी तरह खत्म नहीं होगा। इसके नए चैप्टर के तहत बास्टियन एट द टॉप नाम से नई ऊर्जा और अनुभव के साथ रेस्टोरेंट को फिर से पेश किया जाएगा।

शिल्पा और राज कुंद्रा पर 60.4 करोड़ ठगी का आरोप

इस ऐलान के बीच शिल्पा और राज कुंद्रा पर 60.4 करोड़ रुपये की ठगी का आरोप भी है। मुंबई के कारोबारी दीपक कोठारी ने शिकायत में कहा कि यह राशि 2015 से 2023 के बीच निवेश और लोन के रूप में दी गई थी, लेकिन कथित तौर पर इसे व्यक्तिगत खर्चों में इस्तेमाल किया गया। मामला 'बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड' नामक कंपनी से जुड़ा है, जो अब बंद हो चुकी है।

शिल्पा और राज के वकील प्रशांत पाटिल ने इस मामले पर बयान जारी कर इसे पुराने सिविल लेन-देन का मामला बताया। उन्होंने कहा कि 2024 में एनसीएलटी मुंबई में इसका ट्रायल हो चुका है और इसमें कोई आपराधिक पहलू नहीं है। पाटिल ने यह भी कहा कि सभी ऑडिट दस्तावेज और कैश फ्लो स्टेटमेंट जांच एजेंसियों को समय-समय पर सौंपे जा चुके हैं।

महिलाएं करेंगी आज बिहार बंद की अगुवाई

(जीएनएस)।

बिहार में आज (4 सितंबर) पूरे राज्य में 'बिहार बंद' और 'चक्का जाम' का ऐलान किया गया है। यह बंद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (ठऊअ) की अगुवाई वाली भाजपा ने बुलाया है और खास बात यह है कि इस विरोध प्रदर्शन की अगुवाई इखढ महिला मोर्चा यानी पार्टी की महिला शाखा करेंगी। ठऊअ ने इस बार बिहार बंद की अगुवाई की पूरी जिम्मेदारी महिलाओं के हाथों में सौंप दी है।

भाजपा बिहार प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जयसवाल के मुताबिक, बंद सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक यानी 5 घंटे चलेगा। लेकिन सवाल यह उठता है-महिलाएं क्यों अगुवाई करेंगी? और यह बंद क्यों बुलाया गया है?

- बिहार बंद क्यों बुलाया गया?

बिहार बंद का कारण है, कांग्रेस और फखऊ के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी माता के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल होना। यह घटना पिछले हफ्ते दरभंगा में आयोजित वोट अधिकार यात्रा के दौरान हुई थी। जिसकी अगुवाई लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और फखऊ नेता तेजस्वी यादव कर रहे थे।

वायरल हुए वीडियो में देखा गया कि कांग्रेस कार्यकताओं ने ढट मोदी और उनकी मां के खिलाफ अभद्र शब्द कहे, जिससे ठऊअ नेताओं में गुस्सा भड़क गया।

जदयू नेता उमेश कुशवाहा ने कहा, "विपक्ष के रैली में प्रधानमंत्री और उनकी माताओं के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का प्रयोग हुआ। यह न सिर्फ गलत है, बल्कि नैतिक और राजनीतिक रूप से भी अस्वीकार्य है।" उन्होंने यह भी कहा कि महागठबंधन के नेताओं ने अभी तक माफी नहीं मांगी, और इससे उनकी घमंड और असंवेदनशीलता दिखती है।

स्योहारा थानाक्षेत्र की ग्राम पंचायत रसूलपुर में घटिया निर्माण उजागर, प्रशासन ने की जांच

(जीएनएस)।

बिजनौर। स्योहारा थानाक्षेत्र की ग्राम पंचायत मोहम्मद कुली रसूलपुर में विकास कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों ने

आरोप लगाया है कि हाल ही में कराए गए निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप नहीं हैं और घटिया सामग्री के प्रयोग के कारण कुछ ही दिनों में ढांचा टूट-फूट गया। ग्रामीण बंटी पुत्र ऋषिपाल, सलोनी, अन्नू, रबीना, राबिया, सलमान और सर्वेश आदि ने इस संबंध में जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा था।

शिकायत के आधार पर जिला प्रोवेशन अधिकारी वीरेंद्र यादव और अवर अभियंता संजीव कुमार बुधवार को गांव बूढ़ेरन पहुंचे और स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण में पाया गया कि आरआरसी सेंटर व नाले पहले से ही क्षतिग्रस्त हालत में पड़े हैं। ग्रामीणों ने जांच टीम के सामने साफ कहा कि कार्यवाही के दौरान मानकों की अनदेखी की गई, जिसकी वजह से विकास कार्य बेकार साबित हुए।

जांच के दौरान ग्राम प्रधान सुनीता देवी और पंचायत सचिव भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने मौके पर सभी बिंदुओं का परीक्षण किया और कहा कि विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जांच में आरोप सही निकलते हैं तो दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों को बख्शा न जाए।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर कार्रवाई नहीं हुई तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करेंगे। उनका कहना है कि पारदर्शिता और ईमानदारी से ही गांव का विकास संभव है।

राष्ट्रीय राजमार्ग के सर्विस रोड़ पर लगने लगी बजरी और ईंट की अवैध मंडी

एटीवी से चतुर्वेदी पंप तक सड़क को घेर लेते हैं ट्रक और ट्रैक्टर

-ठेकेदार कमाते हैं रोज हजारों रूपए

-चार साल पहले सीओ और नगर मजिस्ट्रेट ने कार्रवाई करके बंद करायी थी अवैध मंडी

मथुरा (जीएनएस)। थाना हाईवे क्षेत्र में एटीवी के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग पर लम्बे समय के बाद फिर से ठेकेदारों ने बजरी और ईंट की अवैध मंडी लगवाना शुरू कर दिया है। हाईवे के सर्विस रोड़ पर सर्विस रोड़ पर एटीवी से चतुर्वेदी पेट्रोल पंप तक बदरपुर के ट्रक और ईंट से भरे

ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़े होने से पूरा सर्विस रोड़ जाम होने लगा है। सुबह 5 बजे से सर्विस रोड़ पर ट्रक और ट्रैक्टर-ट्रॉली बेतरतीब तरीके से खड़े कर दिए जाते हैं। सुबह के समय स्कूल के वाहन भी इस अवैध मंडी के कारण ठहर जाते हैं। पूर्व में तत्कालीन सीओ रिफाइनरी अभिषेक तिवारी और नगर मजिस्ट्रेट ने खुद मौके पर पहुंच कर कई वाहनों को सीज कराया था और तमाम वाहनों पर भारी जुमार्ना करके बदरपुर और ईंट की मंडी को बंद कराया था। करीब चार साल बाद एटीवी के पास सर्विस रोड़ पर ठेकेदारों ने पुनः अवैध मंडी लगवाना शुरू कर दिया है। आलम यह है कि आड़े-तिरछे खड़े ट्रक और ट्रैक्टर वालों से राहगीर तथा स्थानीय लोग वाहन हटाने की कहते हैं तो चालक और ठेकेदार के लोग अभद्रता करने से भी पीछे नहीं हटते हैं। अवैध मंडी को लगवाने वाले ठेकेदार प्रत्येक वाहन से 3 सौ से 8 सौ रूपए लेते हैं। करीब 4 साल से इस अवैध बदरपुर और ईंट मंडी को पुलिस ने बंद करा रखा था लेकिन अब पुनः यह अवैध मंडी क्यों और किसके इशारे पर राष्ट्रीय राजमार्ग के सर्विस रोड़ पर लगायी जा रही है, यह बड़ा प्रश्न बन गया है। सूत्रों के मुताबिक अवैध मंडी को लगवाने वाले ठेकेदार, हर रोज हजारों रूपए वसूलते हैं और इसका एक हिस्सा पुलिस के पास भी पहुंचाया जाता है। जबकि हाईवे, सर्विस रोड़ और सरकारी जमीन पर किसी प्रकार की मंडी नहीं लगायी जा सकती है।

बिजनौर में प्रशासनिक अधिकारी की आत्महत्या से हड़कंप

(जीएनएस)।

बिजनौर।

जिले में उस समय सनसनी फैल गई जब सदर तहसील में तैनात नायब तहसीलदार राजकुमार चौधरी (42 वर्ष) ने अपने ही सरकारी आवास पर लाइसेंसी पिस्टल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मंगलवार को वह आधिकारिक कार्य से इलाहाबाद हाईकोर्ट गए थे और बुधवार सुबह लगभग 8 बजे वापस लौटे थे। घरवालों के मुताबिक, सुबह करीब साढ़े 10 बजे उन्होंने कमरे का दरवाजा बंद कर खुद को गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनकर परिजन दौड़े, लेकिन दरवाजा अंदर से बंद था। लगभग 15 से 20 मिनट तक दरवाजा खटखटाने के बाद जब कोई जवाब नहीं मिला तो अधिकारियों की मौजूदगी में दरवाजा तोड़ा गया।

भीतर खून से लथपथ हालत में तहसीलदार को बाहर निकालकर पहले सरकारी अस्पताल ले जाया गया। वहां से हालत गंभीर होने पर

उन्हें बीना प्रकाश अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। डॉक्टरों के अनुसार, गोली सिर के आरपार चली गई थी, जिससे गंभीर चोट और नसें फट जाने के कारण उन्हें बचाना संभव नहीं हो पाया।

घटना की जानकारी मिलते ही डीएम जसजीत कौर, एसपी समेत कई अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल को सील कर दिया और तहसीलदार की लाइसेंसी पिस्टल कब्जे में ले ली। मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मूल रूप से बागपत जनपद के बड़ौत निवासी राजक़ुमार चौधरी के परिवार में पत्नी आंचल और दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी सिया सात साल की है, जबकि छोटी मात्र डेढ़ साल की। उनके पिता कुंवरपाल ने बताया कि बेटे की शादी वर्ष 2014 में हुई थी और उन्होंने कभी किसी प्रकार के तनाव का जिक्र घरवालों से नहीं किया था। मंगलवार को भी वह कोर्ट से लौटकर सामान्य दिख रहे थे। अचानक आत्महत्या करने के कदम से पूरा परिवार और प्रशासन स्तब्ध है।

इस दर्दनाक घटना ने जिले में शोक और हैरानी का माहौल पैदा कर दिया है। परिवार के लोग सदमे में हैं और पिता का कहना है कि -अब हमारा सहारा चला गया, अंधेरे के सिवा कुछ नहीं बचा।- पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

हिन्दू धर्म में गणेश आराधना का विशेष विधान : मोहिनी दासी

-बल्देव पब्लिक स्कूल में कथा प्रवक्ता मोहिनी कृष्ण दासी ने की गणेश जी की पूजा-अर्चना

मथुरा (जीएनएस)। बल्देव पब्लिक स्कूल (बल्देव) में गणेश चतुर्थी पर स्थापित भगवान विघ्नहर्ता गणेशजी की प्रतिमा विसर्जन के उपलक्ष्य में कथा प्रवक्ता सुश्री मोहिनी कृष्ण दासी ने कहा कि भगवान गणेश जी बुद्धिदाता हैं। उनका स्मरण, ध्यान और पूजन हर सनातनी व्यक्ति को सबसे पहले करना चाहिए। उनकी पूजा हमें फलित होती है और बिगड़े काम बनते हैं। उन्होने बल्देव पब्लिक स्कूल में विसर्जन की नई परंपरा को पर्यावरण के लिए उचित बताया। इससे पूर्व विद्यालय प्रबंधन की ओर से शिक्षक-शिक्षिकाएं व स्टॉफ के अलावा श्रीधाम वृंदावन से पहुंचीं कथा प्रवक्ता सुश्री कृष्णदासी, चेयरमैन डा. अशोक सिकरवार, प्राचार्य

अनीता सिकरवार और उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की कोऑर्डिनेटर चंद्रप्रताप सिंह सिकरवार पत्रकार तथा गो-गोपी संस्थान वृंदावन के अध्यक्ष शिवम ने गणेश जी की पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या डा. श्रीमती अनीता ने बताया कि गणेश जी की सुंदर प्रतिमा को जल में प्रवाहित करने के बजाए सुरक्षित रखा जाता है। कहा कि अगले वर्ष पुनः इसे सुंदर बनाकर पूजन के लिए रखा जाएगा। यह माना जाता है कि विसर्जन के लिए प्रतिमा को पवित्र भाव से नहीं ले जाता है। वैसे भी -जल में प्रतिमाओं का प्रवाह पर्यावरण और धार्मिक दृष्टि से उचित नहीं है, अतः विद्यालय में स्थापित गणेश प्रतिमा को वर्ष भर सुरक्षित रखा जाता है और अगली गणेश चतुर्थी पर उसे पुनः सजाकर पूजा में स्थापित किया जाता है। गणेश चतुर्थी के दिन विद्यालय के स्वागत कक्ष में स्थापित उक्त गणेश प्रतिमा की समस्त विद्यालय परिवार ने प्रतिदिन नियमित पूजन-अर्चना की। अब प्रतिमा को विद्यालय के गेट पर दर्शनार्थ रखा गया है। इस अवसर पर सुश्री मोहिनी कृष्णदासी ने गणेशजी पूजन के बाद विद्यालय की उन्नति एवं उज्ज्वल भविष्य की प्रार्थना की। उन्होंने विद्यालय में बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने की परंपरा एवं वहां के उच्च शैक्षणिक स्तर पर प्रसन्नता व्यक्त की। विद्यालय परिवार की ओर से प्राचार्य डा. अनीता सिकरवार ने कथा प्रवक्ता सुश्री मोहिनी आदि का स्वागत किया।

होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया ने अगस्त 2025 में 5.34 लाख यूनिट्स की बिक्री के साथ तेजी से बढ़त बनाई।

कुल बिक्री में पिछले महीने की तुलना में 4% की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

03 सितंबर 2025: होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया (ल्टरक) ने अगस्त 2025 में कुल 5,34,861 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। इसमें 4,81,021 यूनिट्स घरेलू बिक्री में और 53,840 यूनिट्स निर्यात में शामिल हैं।

एचएमएसआई ने जुलाई 2025 की तुलना में कुल बिक्री में 4% मासिक वृद्धि भी दर्ज की।

वित्तीय वर्ष 26 (अप्रैल-अगस्त 2025) की वर्ष-से-तारीख (ळऊ) अवधि में, एचएमएसआई ने कुल 24,22,880 यूनिट्स की बिक्री की, जिसमें 21,73,834 यूनिट्स घरेलू बिक्री और 2,49,046 यूनिट्स निर्यात में शामिल हैं।

सड़क सुरक्षाः एचएमएसआई ने सड़क सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए देश के 12 नगरों में जागरूकता अभियान आयोजित किए, जिनमें भिवाड़ी, प्रयागराज, नयागढ़, बुंदौन, अकोला, वारंगल, नंदुरबार, बेंगलुरु, तिरुचिरापल्ली, गांधीनगर, जोधपुर और भटिंडा शामिल हैं। इन अभियानों का मुख्य उद्देश्य युवाओं को जिम्मेदार सड़क व्यवहार और सुरक्षित वाहन चलाने की आदतों के प्रति जागरूक करना था।

अपने प्रयासों को और मजबूत करते हुए, एचएमएसआई ने रांची में अपने सुरक्षा ड्राइविंग शिक्षा केंद्र की छठी वर्षगांठ मनाई। इसका उद्देश्य ज्ञान, जागरूकता और जिम्मेदार सड़क आदतों का उत्सव मनाना और व्यक्तियों को सड़क पर समझदारी से निर्णय लेने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना था।

उइ125 हॉर्नेट और शाइन 100 ऊ की भव्य राष्ट्रीय लॉन्च के बाद, एचएमएसआई ने इन मोटरसाइकिलों के क्षेत्रीय लॉन्च और व्यापक वितरण शुरू किए। लुधियाना, नासिक, नोएडा, पुणे, चेन्नई, जोधपुर, मैसूर, धनबाद, मुजफ्फरपुर, लखनऊ और जयपुर में अगस्त 2025 में हुए क्षेत्रीय लॉन्च बहुत सफल रहे।

बरसाना में साधु वेशधारी की हरकत से सभी शर्मसार

बरसाना में वृषभान कुंड पर हुआ कृत्य सोशल मीडिया पर वायरल

-पूर्व में मंदिर की सीढ़ियों पर मांस पकाने की घटना के बाद नई घटना से भक्तों में उबाल

मथुरा (जीएनएस)। श्रीकृष्ण की नगरी ब्रजधाम की आस्था और पवित्रता आज गंभीर चुनौती के सामने खड़ी है। हाल ही में वृषभान कुंड पर साधु वेशधारी एक व्यक्ति द्वारा कुत्ते के साथ अमानवीय कृत्य किए जाने की घटना कैमरे में कैद हो गई और सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। इससे पूरे देश में आक्रोश की लहर दौड़ गई है, यह पहली घटना नहीं है। कुछ माह पूर्व राधारानी मंदिर की पवित्र सीढ़ियों पर एक अन्य ढोंगी साधु वेशधारी को खुलेआम मांस पकाते हुए पकड़ा गया था। दोनों घटनाओं ने न केवल श्रद्धालुओं की भावनाओं को आहत किया, बल्कि बरसाना जैसे तीर्थस्थल की पावन गरिमा को भी कलंकित किया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि हरियाणा, राजस्थान, मध्यप्रदेश और उत्तराखंड आदि स्थानों से आए कई लोग साधु का चोला धारण कर बरसाना में डेरा डाले हुए हैं। इनमें से अनेक के पास कोई पहचान-पत्र, परंपरा से संबंध या पंजीकरण नहीं है। साधु का पवित्र वेश धारण करके ऐसे लोग अपनी विकृतियों को अंजाम देकर ब्रज की पावन भूमि को शर्मसार कर रहे हैं। इन घटनाओं से आक्रोशित ब्रजवासी, श्रद्धालु और सामाजिक संगठन प्रशासन से मांग की है कि साधु वेशधारी सभी व्यक्तियों का सख्त पुलिस वेरिफिकेशन कराया जाए। बिना पहचान-पत्र या परंपरा के प्रमाण वाले लोगों को तत्काल बाहर किया जाए। इसी के साथ पवित्र स्थलों पर सीसीटीवी से निगरानी और सुरक्षाकर्मी तैनात होने चाहिए। लोगों ने मांग करते हुए कहा कि दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई ऐसा दुस्साहस न कर सके। ब्रजवासियों का कहना है कि बरसाना केवल भूमि नहीं, बल्कि भक्ति और ब्रज का गौरव है। पवित्र स्थलों की गरिमा की रक्षा के लिए कठोर कदम उठाना अनिवार्य है, तभी राधारानी की इस पावन लीला स्थली की दिव्यता को सुरक्षित रखा जा सकेगा।

सप्तम श्रीराधारानी जन्मोत्सव : भक्ति, संगीत और उल्लास से सराबोर रहा पैंठा का भव्य आयोजन

मथुरा (जीएनएस)। गोवर्धन क्षेत्र के गांव पैंठा स्थित प्रसिद्ध श्रीजानकी बल्लभ मंदिर का परिसर बुधवार शाम भक्तिमय उल्लास और दिव्य आनंद से गुंजायमान हो उठा। पैंठा सेवा समिति, गोवर्धन द्वारा आयोजित सप्तम श्रीराधारानी जन्मोत्सव के अवसर पर 'दिव्य भजनांजलि व बधाई गायन कार्यक्रम' में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने शिरकत कर भगवती राधा के जन्मोत्सव को भव्यता के साथ मनाया। मंदिर में सजे भव्य फूलबंगला के मनोहारी दृश्य के बीच संध्या 6 बजे शुरू हुए इस अद्भुत भजन संध्या ने सभी को भक्ति रस में डुबो दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी ने श्रीराधा-कृष्ण के चित्रपट के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्पमाला अर्पित करके किया। इस मौके पर

जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल धार्मिक भावनाओं को बल मिलता है, बल्कि यह सामाजिक समरसता और सद्भाव का एक अनूठा उदाहरण भी प्रस्तुत करते हैं। कार्यक्रम में मथुरा के प्रसिद्ध म्यूजिशियन ग्रुप 'शेरा ग्रुप' ने शोभा बढ़ा दी। जिनके मधुर और ऊजार्वान भक्ति गीतों पर श्रद्धालु थिरकने पर मजबूर हो गए। भक्ति रस की धारा में सभी इतना भाव-विभोर हुए कि पूरा वातावरण आनंद और उल्लास से सराबोर हो गया। कार्यक्रम के विशेष आकर्षण राजस्थान से आए सुविख्यात रसिक जन राकेश शर्मा रहे। उन्होंने राधारानी के मनमोहक भजन गाकर सभी श्रद्धालुओं को झूमने और नृत्य करने पर विवश कर दिया। श्री राधारानी के मधुर भजनों, जन्मोत्सव बधाई गीतों के साथ-साथ प्रस्तुत दिव्य झांकियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दिव्य अनुभव ने भक्तों के हृदय में एक अमिट छाप छोड़ी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि का पटुका पहनाकर और पुष्पगुच्छ भेंट करके समिति के अध्यक्ष पंडित सुरेश चंद्र शास्त्री के नेतृत्व में समिति के सदस्य दलवीर ब्रजवासी (रसिया दंगल) और ध्रुव महाराज पैंठा वाले समेत अन्य गणमान्य लोगों ने स्वागत किया। यह आयोजन न केवल एक धार्मिक उत्सव था, बल्कि ब्रज की समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का एक जीवंत प्रदर्शन भी था, जिसने सभी श्रद्धालुओं के हृदय को छू लिया।

पत्रिका विमोचन के साथ चित्रकूट पर प्रारंभ हुआ पूर्वाभ्यास

तेजी से हो रहीं श्री रामलीला महामहोत्सव की तैयारी

मथुरा (जीएनएस)। श्री रामलीला सभा रजि. मथुरा के द्वारा होने वाले 22 दिवसीय श्री रामलीला महामहोत्सव की तैयारियां जोर-शोर के साथ चल रही हैं। श्री रामलीला महामहोत्सव से पूर्व चित्रकूट परिसर में पत्रिका का विमोचन कर स्वरूपों एवं पात्रों का पूर्वाभ्यास प्रारंभ किया गया। विमोचन कार्यक्रम में सबसे पहले गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी सभापति, जयंती प्रसाद अग्रवाल उप सभापति, नंद किशोर अग्रवाल महामंत्री, मूलचंद्र गर्ग मंत्री, विजय सर्राफ किरोड़ी कोषाध्यक्ष, शैलेश अग्रवाल आय व्यय निरीक्षक, अजय मास्टर लीला मंत्री और नागेंद्र मोहन मित्तल आदि ने श्री रामदरबार, श्री हनुमंत लाल, श्री शिव परिवार और श्री रामचरितमानस का पूजन कर स्वरूपों के लीला मंचन के लिए पूर्वाभ्यास प्रारंभ कराया। जिसमे प्रथम दिवस पर तुलसी चरित्र, शिव विवाह इत्यादि की लीलाओं का मंचन किया गया, जिसे देखकर सभा के सभी सदस्य आनंदित हो उठे। यह पूर्वाभ्यास आगामी 11 अगस्त तक प्रतिदिन शाम 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक चित्रकूट परिसर मे होगा। इस अवसर पर सभा के प्रेरणास्रोत गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी, सभापति जयंती प्रसाद अग्रवाल, उपसभापति नन्दकिशोर अग्रवाल, महामंत्री मूलचंद्र गर्ग, मंत्री विजय सर्राफ, किरोड़ी कोषाध्यक्ष, शैलेश अग्रवाल आय व्यय निरीक्षक, अजय मास्टर प्रचार मंत्री, पंडित शशांक पाठक लीला मंत्री, नागेंद्र मोहन मित्तल, कृष्णमुरारी नेताजी, हेमंत अग्रवाल, सुजान सिंह, प्रवीन अग्रवाल, किशोर मित्तल, संदीप अडूकी, विभोर सदर, अनूप टैंट, विनोद सर्राफ, संजय बिजली, हिमांशु सूतिया, पुनीत अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल और पंडित रामगोपाल शर्मा आदि मौजूद रहे।

भक्ति, आस्था और संस्कृतियों का संगम है भगवान वामन शोभायात्रा : आज शाम को निकलेगी भगवान वामन की शोभायात्रा

मथुरा (जीएनएस)। श्री वामन भगवान महोत्सव समिति के तत्वावधान में आगामी आज (गुरुवार) को कुंजबिहारी मंदिर, डीगगेट से शाम 5 बजे भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। इसी को लेकर बुधवार को होलीगेट स्थित दाऊजी मंदिर में दोपहर 2 बजे आयोजित प्रेस वार्ता में समिति पदाधिकारियों ने शोभायात्रा की रूपरेखा के बारे में बताया। इस संबंध में जानकारी देते हुए समिति के मुख्य संरक्षक पंडित रामगोपाल शर्मा ने कहा कि यह आयोजन समाज में एकता, सद्भावना और भाईचारे का संदेश देगा। कहा कि शोभायात्रा सभी के सहयोग से ऐतिहासिक रूप धारण करेगी। वहीं मुख्य संयोजक संजय पिपरिया ने बताया कि शोभायात्रा में भव्य झांकियां, अखाड़े, ध्वज पताकाएं और भक्तों की टोलियां आकर्षण का केंद्र होंगी। कहा कि आयोजन को लेकर समिति की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इसीक्रम में कार्यकारी अध्यक्ष संजय हरियाणा ने कहा कि समिति का लक्ष्य केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति का गौरव बढ़ाना और समाज को जोड़ना है। वहीं समिति के संस्थापक पंडित श्याम शर्मा ने कहा कि वामन भगवान की शोभायात्रा ब्रज की आस्था और संस्कृति का दर्पण है। इसमें अधिक से अधिक लोग शामिल होकर धर्म लाभ प्राप्त करें। इस बीच समिति के पदाधिकारीयों ने सभी ब्रजवासियों से अपील करते हुए कहा कि शोभायात्रा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और महोत्सव को सफल बनाएं। इस अवसर पर समिति के कार्यक्रम समापन संयोजक राजू पंडित पिपरोनिया, महामंत्री अर्जुन पंडित, उपाध्यक्ष विजय शर्मा, कोषाध्यक्ष कुलदीप शर्मा, मंत्री के.के शर्मा, मंत्री संतोष शर्मा, ललित स्वामी गोविंदाचार्य, हरिशंकर और संतोष आदि मौजूद रहे।

प्रदेश की राजनीति में दिखा अलग रंग, सीएम योगी को बीएसपी प्रमुख मायावती ने कहा शुक्रिया!

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में कभी बड़ा राजनीतिक दखल रखने वाली बीएसपी का आधार लगातार सिमट रहा है। हालांकि, पार्टी प्रमुख मायावती ने स्पष्ट कर दिया है कि वह किसी भी दल के साथ गठबंधन नहीं करेंगी और उनकी पार्टी मजबूती से चुनाव लड़ेगी। हाल ही में उन्होंने बिहार में बीएसपी के अकेले चुनाव लड़ने का भी ऐलान किया है। इस बीच प्रदेश की राजनीति का एक अलग ही अंदाज देखने को मिला। बीएसपी सुप्रीमो ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सीएम योगी आदित्यनाथ का शुक्रिया अदा किया है।

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कानपुर के बुद्धा पार्क में शिवालय पार्क बनाए जाने का फैसला वापस लेने के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि समाज में आपसी सौहार्द्र खराब नहीं होना चाहिए। यह फैसला सभी वर्गों के हित में है।

कानपुर के बुद्धा पार्क में शिवालय पार्क बनाने का प्रस्ताव रखा गया था। नाम बदलने के इस प्रस्ताव का विरोध बीएसपी की ओर से किया गया था। विवाद के बाद इस प्रस्ताव को वापस ले लिया गया है। बीएसपी प्रमुख मायावती ने इस फैसले की तारीफ करते हुए एक्स पर लिखा, 'समाज में भाईचारे का वातावरण नहीं बिगड़ना चाहिए। कानपुर के प्रसिद्ध बुद्धा पार्क में शिवालय पार्क बनाने का यह अति-विवादित प्रस्ताव रद्द किए जाने की खबर आज मीडिया में प्रकाशित हुई है। इसका स्वागत और यूपी सरकार को इसके लिए बधाई और धन्यवाद।'